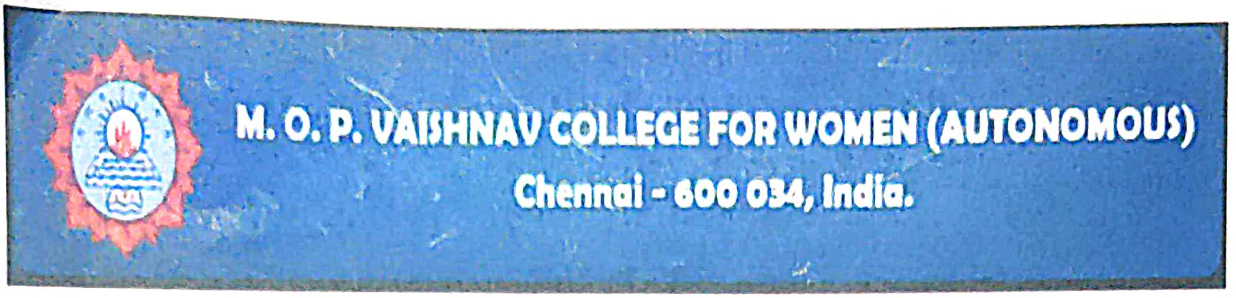

M. O. P. VAISHNAV COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)
Chennai - 600 034, India.

3.4.4 Books and chapters in edited volumes / books published, and papers in National/International conference proceedings

2018-2019

THE HEALTH STATUS OF MARGINALISED GROUPS IN INDIA: ISSUES AND CONCERNS

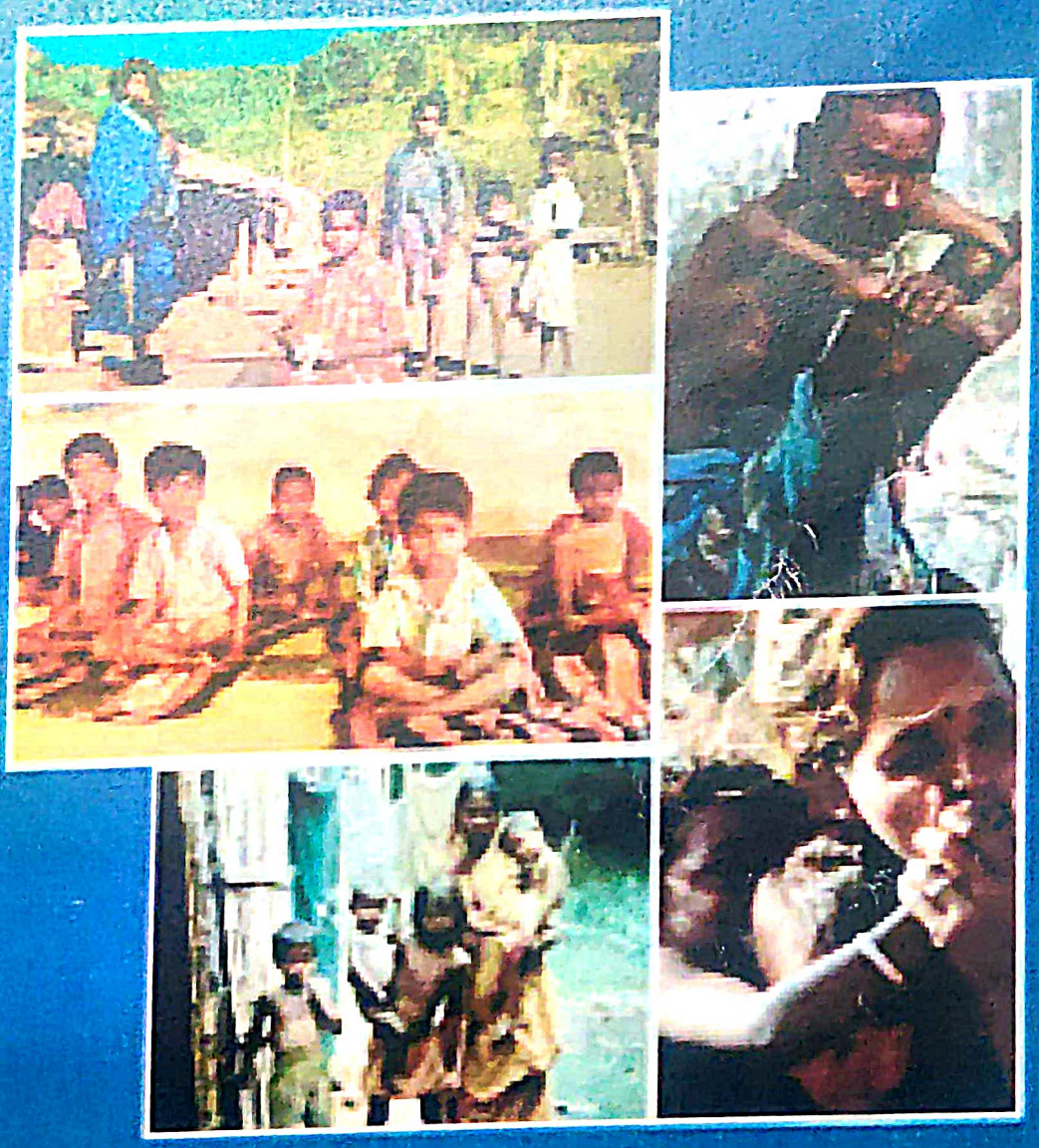

Editor
Dr. C. KARUPPIAH

67.	A Study on Maternal Health and Child Health Care Services in Chellampatti Panchayat Union ***- P.Mary Elizabeth & Dr.Neema Ganadev***	357
68.	National Policy for Provisions for Elderly Persons ***- Dr.T Rajendran***	364
69.	Aged Population and Social Disparity Rural Elderly in Dindigul District of Tamilnadu: the Social Exclusion and Inclusion Perspective ***- A.Velmurugan***	369
70.	"Social Structure and Tribal Health Care in Attappadi Block, Palakkad District, Kerala State" ***- Deepika Krishnan P K & Dr. S. Gurusamy***	375
71.	Young India- Children's with Malnutrition and Health Snags Special Reference to Cooperative Colony Villages in A Drought :Affected Area of Tanjavur in Tamil Nadu ***- G.Thillainathan***	380
72.	Socio Religious Perspectives in Siva Linga Worship: Health Promotive Life ***- Dr. R. Anbazhagan***	385
73.	A Study on Rural Women Health Status in Thanjavur District ***- P.K. Muthukumar & I.Sundar***	390
74.	Developing the Cognitive Skills of Students Ailing from Learning Disability – A Remedy Through Micronutrient and Neurobics ***- Dr. R. Rajesh***	395
75.	Health Status of Manual Scavengers in Ramanathapuram District in Tamilnadu ***- M.Vijayakumar & Dr.N.R.Suresh Babu***	403

"SOCIAL STRUCTURE AND TRIBAL HEALTH CARE IN ATTAPPADI BLOCK, PALAKKAD DISTRICT, KERALA STATE"

DEEPIKA KRISHNAN P K[127]

Dr. S. GURUSAMY[128]

Prelude:

The Attapadi block in Palakkad is the only tribal block area of Kerala. 65% of tribal population in Palakkad is residing in Attapadi(30,658 out of 4, 26,208 of total tribal population in Kerala). The Attapadi is consisting of three major tribal communities, Irula, Muduga and Kurumba tribes. 192 tribal hamlets are situated in Attapadi among them 145 Irula hamlets, 24 Muduga hamlets and 19 Kurumba hamlets. A group of more than five house hold and surroundings are considering as a hamlet. Among the tribal population 82.37% are Tamil related language speaking Irula tribes, 9.6% is Kannada related language speaking Muduga tribe, remaining 7.34% is Kurumba tribe, and they are the most primitive tribe in the Attapadi tribal settlement. All the hamlets in the Attapadi are distributed in three villages i.e., Agali, Puthur, Sholayur with the hamlets of 73, 67, 52 respectively.

Objective:

- To expose tribal health issues and health care facilities provided by government and non-government agencies.
- To find out the relation between social structure and tribal health care.
- To suggest measures to solve the tribal health problems in the study area.

Review of literature:

In 2013 47 deaths of infants were reported from Attapadi and scheme amounting to Rs 400 cr was announced by the Union as well as the State Government. Moreover, the three-tier panchayath Raj set apart Rs.1.26 cr to eradicate malnutrition. (Health Statistics Records, Agali Block panchayath, 2014)

The children below the age of 6 years and 132 mothers undergone to detailed medical examination living in 42 hamlets out of the 192 hamlets of Attapadi were found to be malnourished and in some children mental defects were also detected. A study on malnutrition among 40 children ages 0-1year belonging to six hamlets from three panchayath were conducted on 29th and 20th of November 2014. (Research report, Thampu, 2015)

[127] Research Scholar (Fulltime), Department of Sociology, GRI, Gandhigram.
[128] Professor, Department of Sociology, GRI, Gandhigram.

Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

लोक साहित्य एवं संस्कृति

एक विमर्श

संपादन

डॉ. एस. प्रीति, डॉ. रज़िया बेगम

डॉ. उषा रानी

लोक साहित्य एवं संस्कृति
एक विमर्श

संपादक

डॉ. एस. प्रीति

डॉ. एस. रज़िया बेगम

डॉ. उषा रानी

सृजनलोक प्रकाशन

लोक गीतों की आधार पीठिका : वैदिक साहित्य

डॉ सुधा त्रिवेदी
अध्यक्षा, हिंदी विभाग
एमओपी वैष्णव कॉलेज फॉर वुमन, चेन्नई।

ग्रामगीत वे फूल है-झरने जिसको पानी पिलाते हैं, मेघ जिसे नहलाते हैं, सूर्य जिसकी आँखें खोलता है, मन्द-मन्द समीर जिसे झूले में झूलाता है, चन्द्रमा जिसका मुँह चूमता है और ओस जिस पर गुलाब जल छिड़कती है। उनकी समता बंगले का कैदी फूल नहीं कर सकता।1 डॉ. सच्चिदानंद तिवारी लिखते है--'' लोकगीतों में ऐसी कुछ विशेषताएँ बनी रही, जो इनके आदिम सामाजिक रूप की ओर संकेत करती है। जो गीत अत्यन्त ही सहज, स्वाभाविक भावोद्वेग को व्यक्त करने वाले थे तथा विशेषतः काम करने वाली प्रसन्न स्त्रियों द्वारा गाये जाते थे अब अलंकृत एवं कवित्वपूर्ण बन गए।''2

इस दृष्टि से यदि हम वेद को आधार बना कर लोक संस्कृतिक, साहित्य आदि पर चिन्तन करें तो लोक मनोविज्ञान व संस्कृति का रूप अपनी समग्रता के साथ एक इकाई के रूप में सामने आता है। अथर्ववेद में भूमि या पृथ्वी की प्रार्थना में एक पूरा सूक्त समर्पित है। यही नहीं, कृषि कर्म को भी पर्याप्त महत्व दिया गया है। कृषिकर्म से सम्बन्धित एक ऋचा का अवलोकन करें -

सीरा युञ्जन्ति कवयो युगावि तन्वते पृथक। धीरा देवेशु सुम्नयौ ॥
युनक्तु सीरा कि युगा तनोत कृते योनी वपतेह बीजम्। (अवे 3.17.1,2,3)

धैर्यशाली, बुद्धिशाली कृषक दिव्य शक्तियों को मंगल बना हलों को जोड़ते हुए जुओं को फैलाते हैं। अतः उन कृषकों से कामना है कि वे हल जोड़, जुए फैला, तैयार खेतों में बीज फैलाएँ। उन की दराँती के करीब पकी फसल आए और बैल उन की सहायता करें। इन्द्र हलरेख को ग्रहण करें, पूषा रक्षा करें, धरा गाय के समान पयस्वती हो, हल भूमि खोदे, कृषक बैलों के पीछे चले। इस तरह अच्छी औषध उत्पन्न हों -

इन्द्र सीतां नि गह्यतु तां पूषामि रक्षतु।
सा नः पयस्वती दुहामुत्तरामुत्तरां समाम्।(अवे 3.17.4,5)

हम किसी भी लोक संस्कृति की ओर ध्यान दें तो पाएँगे कि उन का उल्लास माटी से जुड़ा होता है। लोक में माटी से न केवल दात्री और भोक्ता का सम्बन्ध है अपितु बन्धु-सा स्नेह है तभी लोक में विशेषतः स्त्रियाँ अपनी समस्त भावनाएँ माटी पर अर्पित कर देती हैं। पूर्वांचल के कस्बों में विवाह से पहले मिट्टी को जगाया जाता है, धरती को

Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

Screenshot_20211216-160050_Samsung Internet.jpg

Back

इक्कीसवीं सदी के साहित्य में

हाशिये का समाज

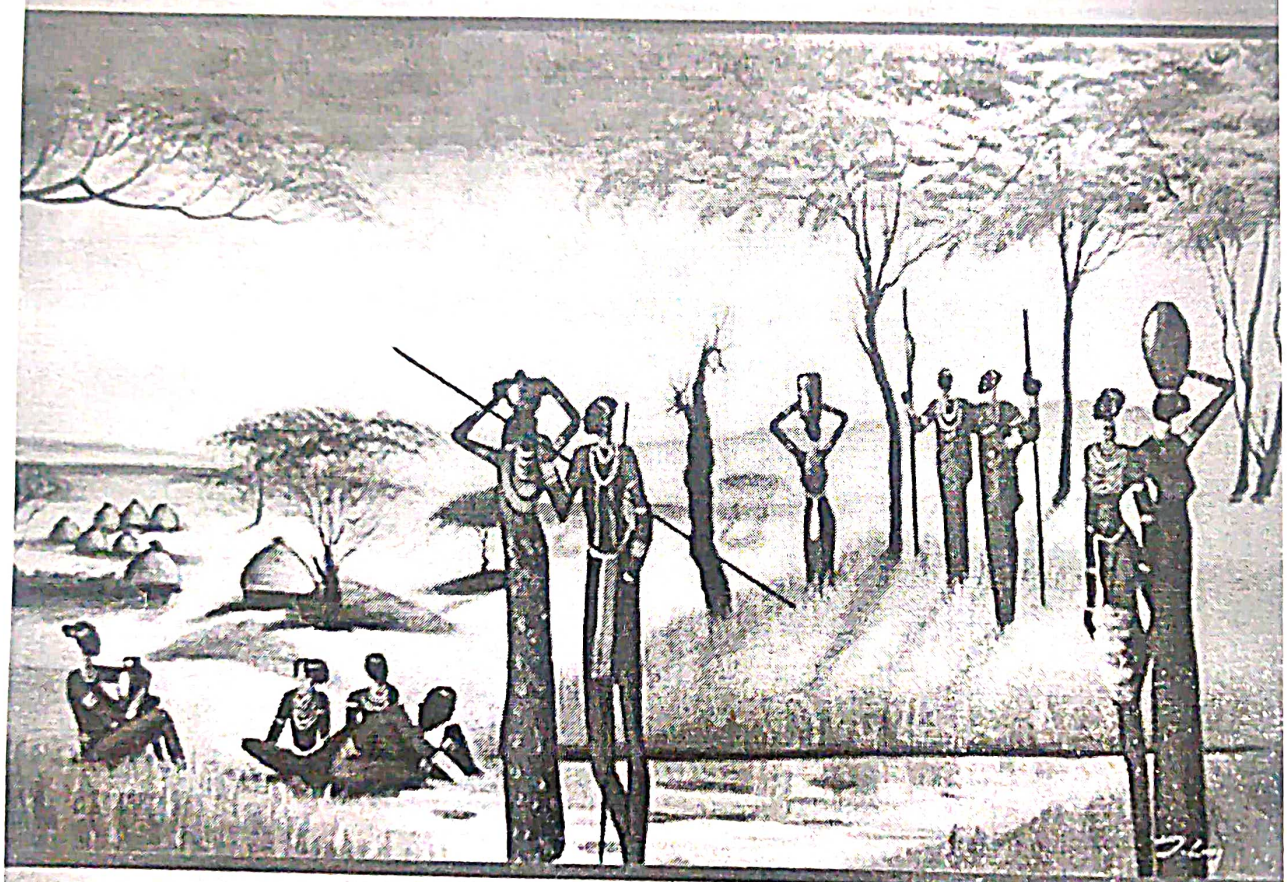

संपादक

डॉ. सुधा त्रिवेदी

https://mail.google.com/mail/u/0/?tab=rm&ogbl#inbox?projector=1

Back

डॉ. सुधा त्रिवेदी

जन्म-तिथि एवं स्थान : 7,जनवरी 1966, मोतीउद्दीन नगर, बिहार।

प्रकाशन :- काली पड़ गई नीली झील(कहानी संकलन)- नवजागरण प्रकाशन, दिल्ली/ विचार और तेवर-(सृजनलोक प्रकाशन, दिल्ली-आरा)/ दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के तुलनात्मक अध्ययनों का आकलन(शोधपरक)- विद्या प्रकाशन कानपुर/ शिक्षा साहित्य और समाज (संपादित) सृजनलोक प्रकाशन, आरा/ क्षितिज के पार(समीक्षा संकलन)- कार्तिकेया पब्लिकेशन्स, चेन्नई/ अन्तरिक्ष नक्षत्र जगमग (काव्य संग्रह)- बोध प्रकाशन(शीघ्र प्रकाश्य)।

पाठ्य पुस्तक संपादन :- पंखुड़ी(कक्षा 6 के लिए) विवा पब्लिकेशन्स, चेन्नई/ज्ञानांजली गरिमा/ ज्ञानांजली प्रतिभा/ज्ञानांजली नवीन/ज्ञानांजली गौरव।

देश के प्रतिष्ठित पत्रों जैसे : साहित्य अमृत, कथादेश, अभिदेशक, बाल वाटिका, भास्वर भारत आदि में बहुधा रचनाएँ- कविता, कहानी, शोध आलेख, वैचारिक निबंध आदि प्रकाशित। चेन्नई से प्रकाशित साप्ताहिक "साउथ चक्र" एवं मासिक "सुधार भारती" में उप संपादक के रूप में, शोध पत्रिका "तमिलनाडु साहित्य बुलेटिन" में सह संपादक के रूप में, मासिक "अग्रधारा" के संपादक मंडल में, शोध पत्रिका "आर्यावर्त" एवं "शोध सिंधु" के संपादक मंडल में सेवाएँ। शोध आलेखों के दशाधिक साझा संकलन प्रकाशित। अब तक 26 शोध आलेख प्रकाशित। आकाशवाणी से बहुधा कहानियाँ-कविताएँ, वार्ताएँ प्रसारित। लोक साहित्य और लोक कलाओं के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत।

पुरस्कार एवं सम्मान :- समेकित भारतीय साहित्य परिषद, बस्ती द्वारा बालशौरि रेड्डी स्मृति सम्मान 2017/ "तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी" पारसमणि सम्मान 2016/ कश्मीरी हिंदी संगम द्वारा शारदा ललद्यद सम्मान 2017.

संप्रति :-

समन्वयक, भाषा संकाय

अध्यक्षा, हिंदी विभाग, एमओपी वैष्णव महिला महाविद्यालय, चेन्नई।

संपर्क सूत्र :-

E-mail Id : sudha.trivedi26@gmail.com

Contact No.: 9566292359

Address : 16/2 Brindavan Colony, Gandhi Road
Choolai Medu, Chennai : 600 094

₹399/-

नवजागरण प्रकाशन

109, पहली मंजिल, मनीष मार्केट, सेक्टर-11, द्वारका, न.दि.-75

E-mail : navjagranprakashan@gmail.com, Mob: 9718013757

ISBN 978-93-88640-54-1

6/21, 4:11 PM

Screenshot (1).png

My Drive - Google Dr | Search results - hem | CONFRENCES (22-1) | BOOKS, CHAPTERS (I | School Of Languages | Amazon.in: Buy Ikkis

amazon.in/Ikkisavin-Sadi-Sahitya-Hashiye-Samaj/dp/B084MF78TV

amazon.in Select your address | Books | Account & Lists | & Orders

All | Best Sellers | Mobiles | Customer Service | Electronics | Prime | Fashion | Today's Deals | Home & Kitchen | Amazon Pay | Shopping made easy | Download the

Books | Advanced Search | New Releases & Pre-orders | Best Sellers | Browse Genres | Children's & Young Adult | Textbooks | Exam Central | All Indian Languages

Buddymate E650 Wireless Bluetooth On Ear Headphone with... ₹599.00

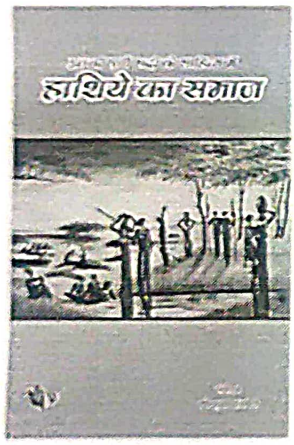

See all 5 images

Ikkisavin Sadi Ke Sahitya Men Hashiye Ka Samaj

Hardcover – 1 December 2019

Hindi Edition by Editor Dr Sudha Trivedi (Author)

See all formats and editions

Hardcover
₹300.00

1 New from ₹300.00

₹83.00 delivery: **Wednesday, Dec 22** Details

Save Extra with 3 offers

No Cost EMI: Avail No Cost EMI on select cards for orders above ₹3000 | Details

Bank Offer (3): Flat INR 150 Instant Discount on City Union Bank Debit Mastercard Transactions. Minimum purchase value INR 1500 | See All

See 1 more

₹300.00
M.R.P.: ~~₹399.00~~
You Save: ₹99.00 (25%)
Inclusive of all taxes

In stock.

Sold and fulfilled by NAVJAGRAN PRAKASHAN.

Quantity: 1

Add to Cart

Buy Now

Select delivery location

Add to Wish List

Share

Type here to search 82°F ENG

काली पड़ गई नीली झील

डॉ. सुधा त्रिवेदी

45

तुलनात्मक अध्ययन और दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा

डॉ. सुधा त्रिवेदी

तुलनात्मक साहित्य में विश्व साहित्य के अनुरूप देश का तत्त्व सीमित रूप में जुड़ा रहता है। काल परिवेश तथा जातीय संस्कार लेखक की मानसिकता का निर्माण करते हैं। भारतीय साहित्य की शैली कथ्य पृष्ठभूमि बिंब – विधान काव्य – रूप संगीत तथा जीवन दर्शन – सब मिलकर एक अभिन्न तत्त्व के रूप में भारतीय साहित्य की भारतीयता को प्रकट करते हैं। भारतीय साहित्य के अंतर्गत वह संस्कृत साहित्य भी समाहित है जिसने संपूर्ण भारतीय वाड़मय को प्रभावित किया है और उस साहित्य को भी जो विभिन्न प्रांतीय भाषाओं में रचा जा रहा है – रचा गया है।

"तुलना की दृष्टि से आर्य और द्रविड़ परिवार की भाषाओं का अध्ययन भारतीय संस्कृति की मूल चेतना की खोज के लिए मूल्यवान हो सकता है?"

इस उक्ति के आलोक में जब हम दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के अन्तर्गत किए गए तुलनात्मक अध्ययनों का आकलन करते हैं तो पाते हैं कि मूल्यवान के संधान में यह संस्था सतत् प्रयासरत है। इस दृष्टि से

Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

ISBN	978-81-938680-4-1
लेखिका	डॉ. सुधा त्रिवेदी
मूल्य	350/-
प्रकाशन वर्ष	2018
सर्वाधिकार©	डॉ. सुधा त्रिवेदी
प्रकाशक	नवजागरण प्रकाशन 109, प्रथम तल, मनीष मार्केट, सेक्टर-11, द्वारका, नई दिल्ली-110075 संपर्क :011-28042074, +91-9718013757 ईमेल :navjagranprakashan@gmail.com वेबसाईट :www.navjagran.in
मुद्रक	आर.एच. प्रिंटर्स, नई दिल्ली
आवरण चित्र	अभिरामी एस स्नातक पत्रकारिता की छात्रा एमओपी वैष्णव महिला महाविद्यालय, चेन्नई।

Kali Pad Gai Neeli Jhil
(Story Collection)
Written by : Dr. Sudha Trivedi
Published by: **Navjagran Prakashan**
Price : Rs.350/-

डॉ. मधु धवन
स्मृति अभिनन्दन ग्रन्थ

हिन्दी भाषा
दक्षिण भारत में हिन्दी

सम्पादक
डॉ. श्रावणी भट्टाचार्य
डॉ. स्वाति पालीवाल

वाणी प्रकाशन

4695, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली 110 002

शाखा

अशोक राजपथ, पटना 800 004

फ़ोन : +91 11 23273167 फ़ैक्स : +91 11 23275710

www.vaniprakashan.in
vaniprakashan@gmail.com
sales@vaniprakashan.in

HINDI BHASHA : DAKSHIN BHARAT MEIN HINDI
Edited by Dr. Srabani Bhattacharyya, Dr. Swati Paliwal

ISBN : 978-93-87889-89-7
Linguistics Memoirs

© 2018 सम्पादक एवं लेखकगण

प्रथम संस्करण

मूल्य : ₹ [illegible]

इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

[illegible] में मुद्रित

[illegible]

अभिनन्दन अभिराम

●

डॉ. सुधा त्रिवेदी

हिन्दी सेवा, अध्यापन में रम आजीवन लगी रहीं,
महिला लेखन में चेन्नई की नाम हमेशा बनी रहीं,
जाने कितनी मिलीं उपाधियाँ औ' कितने सम्मान,
दक्षिण भारत की हिन्दी की विश्व में जिससे शान,
युग-युग अविरल गुंजित होगा मधु धवन का नाम,
अनुपम कलम साधिका का है अभिनन्दन अभिराम!

तीन दशक स्टेल्ला मॉरिस निष्ठा का इतिहास,
अद्‌भुत गढ़ीं अगिन प्रतिमाएँ कक्षा में सोल्लास,
कितने पतझड़, कितने सावन वीते कई वसन्त,
साक्षी हर दीवार मधुर मधु यादें यहाँ अनन्त!
प्रखर तेजपूरित दिन जीवन मेधापूरित शाम,
अनुपम कलम साधिका का है अभिनन्दन अभिराम!

तरल हास और सरल बात में ज्ञान रश्मि का तेज,
दृष्टि सतर्क, तीक्ष्ण बुद्धि, गरिमामय सुन्दर वेश।
सर्वांग गुणी हर चाल सधी जो सुन्दरता का राज,
ममता की वीणा में साधा, अनुशासन का साज,
लेकर साथ चलीं जो सबको, क्या दक्षिण क्या वाम!
अनुपम कलम साधिका का है अभिनन्दन अभिराम!

मो. : 9566292359

Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

Back

इक्कीसवीं सदी के साहित्य में

हाशिये का समाज

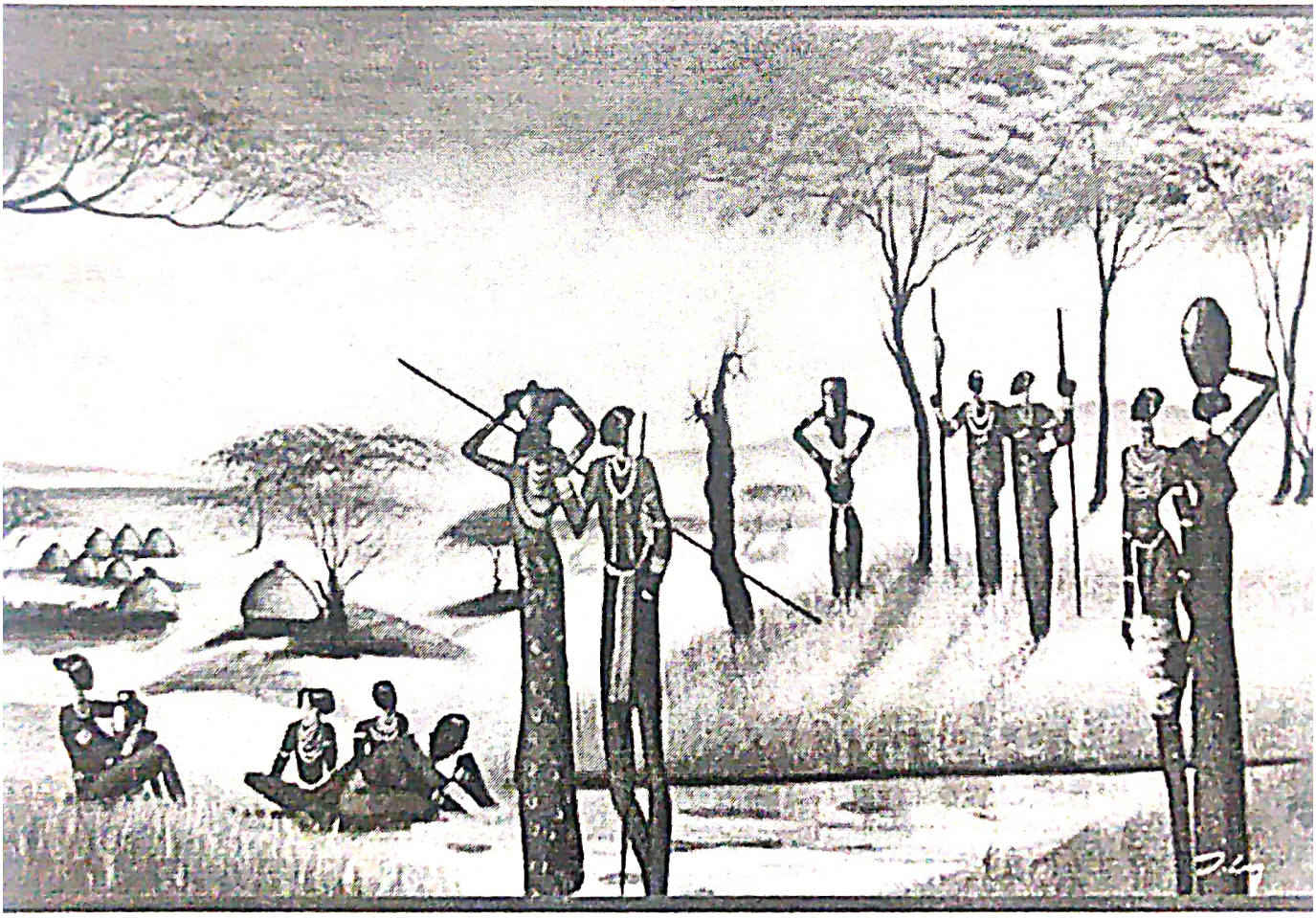

संपादक
डॉ. सुधा त्रिवेदी

12/16/21, 4:14 PM tempFileForShare_20211216-161316.jpg

10. समकालीन स्त्री कविता में अभिव्यक्त स्त्री- विमर्श
डॉ.शीलता पी.वी. 69
11. डॉ. गिरिराज शरण अग्रवाल की कहानियों में हाशिये का समाज
डॉ.वी.जयलक्ष्मी 73
12. काला पादरी उपन्यास में हाशिये आदिवासी
डॉ. वी. गीता मालिनी 80
13. हिन्दी सिनेमा में हाशियों का चित्रण
डॉ. के. आनंदी 84
14. नई शताब्दी के हिंदी साहित्य में नॉस्टैल्जिया:
उषा प्रियंवदा के विशेष संदर्भ मे
डॉ. हर्षलता शाह 89
15. निर्मला पुतुल की कविताओं में स्त्री-समाज
डॉ. सरोज सिंह 96
16. अल्मा कबूतरी उपन्यास में नारी विमर्श
अजिया कुमारी 101
17. आज की कहानी में हाशिये का समाज
डॉ. अनुपमा के. 104
18. नई शताब्दी के हिन्दी काव्य में हाशिये का समाज
डॉ. एफ जैबुन्निसां बेगम 111
19. हाशिये का समाज- तृतीयपंथी : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ
डॉ.मंजु रुस्तगी 116
20. नई शताब्दी का हिन्दी उपन्यास 'मरीचिका' में हाशिये का समाज
डॉ. पी. नजीम बेगम 124
21. इक्कीसवीं सदी के उपन्यासों में आदिवासी हाशिये का समाज
डॉ. मिथलेश सिंह 128
22. रमेश गुप्त नीरज के काव्य में चित्रित सर्वहारा वर्ग
डॉ. सुनीता जाजोदिया 134

https://mail.google.com/mail/u/0/?tab=rm&ogbl#inbox?projector=1

புதுக்கவிதைகளில் தொல்காப்பியம்

முனைவர் ரா. ராஜேஸ்வரி சுப்பையா

மணிவாசகர் பதிப்பகம்

புதுக்கவிதைகளில் தொல்காப்பியம்

பேராசிரியர். முனைவர் ரா. ராஜேஸ்வரி சுப்பையா
தமிழ்த்துறைத் தலைவர்,
எம்.ஓ.பி. வைணவ மகளிர் கல்லூரி,
நுங்கம்பாக்கம், சென்னை.

Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

மணிவாசகர் பதிப்பகம்
31, சிங்கர் தெரு, பாரிமுனை,
சென்னை-600108.

பேராசிரியர் முனைவர் **ரா. ராஜேஸ்வரி சுப்பையா** சென்னை எம்.ஒ.பி. வைணவ மகளிர் கல்லூரியில் தமிழ்த்துறைத் தலைவராகப் பணியாற்றிவருகிறார். கலைஞர் தொலைக்காட்சியில் நெஞ்சு பொறுக்குதில்லையே, பொதிகைத் தொலைக்காட்சியில், கருத்துக்களம் போன்ற விவாத நிகழ்ச்சிகளில் சிறப்பு விருந்தினராகப் பங்கேற்றுள்ளார்.

மகுடம் தமிழ்ப் பேரவையில் பொதுச் செயலாளராக சிறப்பாகச் செயலாற்றிவருகிறார். 'கைத்தடி' மாத இதழின் துணையாசிரியராக பணியாற்றியுள்ளார். AMN எனும் பன்னாட்டு நிறுவனத்தால் ஹயாட் நட்சத்திர ஹோட்டலில் சிறந்த சாதனைப் பெண்மணிக்கான விருதை பாடகி. P. சுசீலா அவர்களிடம் பெற்றுள்ளார். அம்பத்தூர் கம்பன் கழகம், திருப்பூர் பாரதி கலை இலக்கியப் பெருமன்றம் விஸ்வஹிந்து பரிஷீத் சபா போன்ற அமைப்புகளில் இலக்கியப் பேருரையாற்றியுள்ளார்.

ISBN 978-91-87082-48-5

9 789387 882485 >

Smart City And Women Empowerment

@ Dr. C. Gobalakrishnan

First Edition : 2019

ISBN: 978-93-88398-63-3

Copyright
All rights reserved. No part of this book may be reproduce
system or transmitted, in any form or by any means, mecha
recording or otherwise, without prior written permission of th

WOMEN ACADEMICIANS AND HEALTH – A SOCIOLOGICAL INQUIRY

Dr. Sudha Krishnakumar
Assistant Professor, Department of Sociology
MOP Vaishnav College for Women(Atomumous), Chennai

Abstract

The concept of Smart City Mission was introduced by the government in order improve the quality of life of its citizens and their well being. One of the cities identified thus include Chennai also. There is a global consensus about the idea that 'health is the key for a nation's progresses. The field of higher education has become highly competitive and today's academicians are confronted with complex roles to keep up with the expectations of the students. It is asking too much from one person to research effectively, teach well, deal with endless administrative demands, be permanently available to students, and have some kind of sensible, balanced work-life ratio. Being challenged intellectually, professionally, pedagogically at the work place and physically, psychologically, emotionally and socially at workplace and at home, the working academicians of today have to make a lot of adjustments almost similar to a juggler just to stay balanced and focused. With all these aspects in mind, the present paper is a sincere attempt to study the importance given by women academicians of Chennai to their health and well being. The competitive and challenging environment in the sphere of higher education requires today's academicians to be result-oriented and dynamic and to fulfill these roles, they are constantly striving to keep with the modern technologies in the field of education as well as searching for innovative methodologies in teaching. The specific focus of this paper will be on role demands, work environment and family support

Introduction

The concept of Smart City Mission was introduced by the government in order improve the quality of life of its citizens and their well being. The area-based development is supposed to transform existing areas into better planned ones, thereby improving the façade and 'liveability' of the whole city. Comprehensive development in this way will improve quality of life, create employment and improve incomes for all, especially the poor and the disadvantaged, leading to inclusive cities. Some of the core infrastructure elements in a Smart

हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श

संपादक

डॉ. हर्षलता शाह

हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श

संपादक
डॉ. हर्षलता शाह
श्री शंकरलाल सुंदरबाई शासुन
जैन महिला महाविद्यालय, टी.नगर, चेन्नई- 17

सृजनलोक प्रकाशन

भवानी भाई के हृदय का गीत - सतपुड़ा के घने जंगल

□ डॉ. सुधा त्रिवेदी

जैसे हमारी बहनों के परिधान में आजकल लंबी आस्तीनों का चलन फैशन में है, ठीक वैसे ही भारतीय लेखकों में आदिवासी विमर्श का विषय आजकल बड़ा फैशन में है। साहित्य में अपनी प्रगतिशीलता और गहन संवेदनशीलता को दिखाने का यह बहुत बढ़िया तरीका है। आदिवासी लेखक के नाम से अभिहित ग्रंथों को सरकारी खर्चे से प्रकाशित करने की सहूलियतें और संभावनाएं बढ़ जाती हैं। फिर सामान्य पाठक वर्ग आदिवासियों के बारे में ज्यादा कुछ जानते तो हैं नहीं, तो कुछ भी लिख दो, चल जाने की भी गुंजाइस रहती है। सुख सुविधा की सारी आधुनिक साज सज्जा से लैस फ्लैट के बंद कमरे में एसी चलाकर आदिवासियों के बारे में लिखना जरा आसान भी है और पाठकों के बीच चलता भी है। आदिवासी विमर्श की चर्चा करने बैठते हैं तब हम उनकी पीड़ा, उनके शोषण की ही बातें करते हैं। इस पीड़ा और शोषण के चित्रण के बहाने से ऐसे ऐसे मसाला संवादों और दृश्यों पर बेरोक टोक कलम चलाने की छूट मिल जाती है जो जापानी पोर्न से टक्कर ले सकें। फिर पीटो अपनी प्रगतिशीलता का डंका। ऐसे आदिवासियों के प्रति सहानुभूति और अतिशय सदाशयता के गीत कथा-कहानी लिखनेवालों के घरों में आदिवासी बच्चों को गुलामी करते हुए हमने अपनी आँखों से देखा है।

अच्छा! एक बात और है। थोड़े दिनों पहले तक तो यह व्याख्या विवरण आदिवासी मांसलता भर के इर्द गिर्द चक्कर काटती हुई पाठकों को उनके नैसर्गिक सौंदर्य के दर्शन और स्पर्षन का सुख परोसा करती थी और रॉयल्टी रूपी हर्ष और छुटभैया साहित्यिक सम्मान रूपी संतोष पाकर ही प्रसन्न हो जाती थी, किंतु आजकल उसमें बॉलीवुड की फिल्मों की तरह नक्सली हिंसा का तड़का लगना और जरूरी हो गया है।

परंतु इस कीचड़ में भी कुछ कमल खिले हैं जो अपनी रचनाओं के माध्यम से न केवल इन भोले वनबंधुओं की समस्याओं के प्रति प्रबुद्ध पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हैं, बल्कि उनके जीवन में जो एक जंगली झरने की सी सुदरता है, प्रवाह है, जीवन संगीत और उल्लास का राग है, उसकी ओर भी हमें खींचते हैं। ये रचनाएं हमें छद्महीन जीवन जीने की कला सिखाती है। हममें प्रकृति के सान्निध्य की ललक जगाती है, और यही गुण इन रचनाओं को कालजयी बनाती है। वनबंधुओं के जीवन की सरलता और सरसता के प्रति तथाकथित सभ्य समाज को बरबस खींचनेवाली ऐसी ही रचनाओं में शुमार है भवानी भाई के नाम से प्रसिद्ध श्री भवानी प्रसाद मिश्र की अद्भुत रचना- सतपुड़ा के घने जंगल।

R/31
Principal
M.O.P. Vaishnav College for Women
(Autonomous)
No. 20, IV Lane, Nungambakkam High Road
Chennai-600 034

SPECIAL ISSUE FEB.2019

New Academia: An International Journal of English Language and Literary Theory (Online ISSN 2347-2073)

(UGC Journal. No. 44829)

Special Issue Feb. 2019

Guest Editors

Dr. I. Ajit & Prof. P. Govindarajan

Division of Social Sciences,

VIT University, Chennai

9. KNOWING YOUR STUDENTS IS THE KEY TO THEIR SUCCESS.'- QUALITATIVE ANALYSIS OF LEARNERS' DIARY TEXTS CARRIED OUT AS

A PEDAGOGICAL APPROACH TO IMPROVE THEIR LITERACY SKILLS IN ENGLISH LANGUAGE.

Deepika Mehta,

10. GRAMMAR FOR EFFECTIVE COMMUNICATION – A REVIEW

Jayakumar

11. THE ROLE OF INFORMATION COMMUNICATION TECHNOLOGY IN ENGLISH LANGUAGE LEARNING AND TEACHING AT TERTIARY LEVEL

Dr. M. Nagalakshmi

12. A PHENOMENAL TEACHER, A PREACHER OF MORALITY

Jayanthi

13. INTEGRATED ASSESSMENT AND EVALUATION

R.Jayalakshmi

14. PROMOTING FRENCH LANGUAGE ACQUISITION VIA MOBILE ASSISTED LANGUAGE LEARNING

Literary Endeavour (ISSN 0976-299X) : Vol. X : Special Issue: 3 (January, 2019) www.literaryendeavour.org

15

CULTURAL IDENTITY IN OKOT P'BITEK'S "SONG OF LAWINO"

R.Jayalakshmi, Assistant Professor, Department of English, MOP Vaishnav College For Women, Chennai

Abstract:

Independence of Africa from colonialism saw the necessity of a search of its people from economi nd political independence to a more subtle and important need such as cultural emancipation. Search fo ultural identity has been one of the fundamental concerns of African writers and it occupies the centra eme of African writing. The African literature that emerged after colonialism was a result of intercours tween western education and native African sensibility and this led to the rise of new protest writing i rious forms. This protest writing arose the natives against humiliation, breaking of African roots an stortion of traditions such as literary oral tradition. The major forerunners who advocated thes ntiments in the poetic field were writers from Franco phone block, such as, Aime cesaire , Leopald Sedd nghor, David Diop etc. This sentiment also caught up with poets outside the Franco phone block an of the major poets who wrote in English still retaining the old Acoli Oral tradition was Okot P'Bite n Uganda. Okot P' Bitek through his long poem "Song of Lawino" launched a protest attack on th ld by showing them the richness Acoli Oral tradition and values. He originated a style in which he us lish as a tool to reach out to estranged Africans and other global without using western forms, style geries. The paper tries to examine Okot P' Bitek's views against denigration of other people's cultu ugh "Song of Lawino" and rejection one's own culture by blatantly aping the west. The paper al hasizes on the meticulous definition of African values within the global culture by Okot P' Bitek, and nesis of relationship between tradition and modern/western and African culture.

Words: Colonialism, acoli oral tradition, denigration, culture.

Independence of Africa from colonialism saw the necessity of a search of its people from econom olitical independence to a more subtle and important need such as cultural emancipation. Search al identity has been one of the fundamental concerns of African writers and it occupies the cent of African writing. The African literature that emerged after colonialism was a result of intercou n western education and native African sensibility and this led to the rise of new protest writing forms. This protest writing arose the natives against humiliation, breaking of African roots a on of traditions such as literary oral tradition. The major forerunners who advocated the nts in the poetic field were writers from Franco phone block, such as, Aime Cesaire, Leop enghor, David Diop etc. This sentiment, also caught up with writers outside the Franco ph he terms such as Negritude, Black Consciousness became very prominent and African liter w a great cultural upheaval. African Literature of this period generated a new set of writers chebe, Kofi Awanoor, Christopher Okigbo, N